www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

आपका भरोसा, हमारी ताकत

RNI No. : DELHIN/2016/70240

2 पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
3 सेन्ट्रल बार में नवागत जिला जज संजीव शुक्ला का...
4 आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान से पूरा होगा...

वर्षः 9 | अंकः 348 | दिल्ली, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

श्रीनगर में आतंकवादियों के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी

श्रीनगर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने शुक्रवार को श्रीनगर में कई स्थानों पर प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के सहयोगियों के परिसरों पर छापेमारी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवादी तंत्र को ध्वस्त करने और गैरकानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत श्रीनगर की पुलिस ने शहर में कई स्थानों पर व्यापक रूप से छापे मारे। उन्होंने कहा कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत चल रही जांच के सिलसिले में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के सहयोगियों और ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के आवासों पर तलाशी ली गई। प्रवक्ता ने बताया कि समन्वित तलाशी अभियान श्रीनगर के विभिन्न क्षेत्रों में चलाए गए, जिनमें आतंकवाद संबंधी गतिविधियों में सहायता करने या उन्हें बढ़ावा देने में शामिल व्यक्तियों को निशाना बनाया गया।

पटाखों की चिंगारी से लगी आग में दो कारें जलकर खाक

गोरखपुर (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले की एक कॉलोनी में एक पार्क के पास पटाखे की चिंगारी से आग लगने के कारण एक सीएनजी वाहन सहित दो कारें जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारियों के अनुसार, बच्चे बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे पार्क के पास पटाखे जला रहे थे कि तभी एक जलता हुआ पटाखा पार्किंग क्षेत्र में जा गिरा, जिससे एक पुरानी कार में आग लग गई और आग जल्द ही पास में खड़ी एक अन्य गाड़ी तक फैल गई।

कन्नूर में रसोई गैस रिसाव के बाद लगी आग से चार प्रवासी श्रमिक झुलसे

केरल (एजेन्सी)। केरल के पुथियांगडी बंदरगाह के पास शुक्रवार सुबह कमरे में खाना पकाते समय सिलेंडर से गैस रिसाव होने के बाद लगी आग की चपेट में आकर चार प्रवासी श्रमिक झुलस गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि सभी पीड़ित मूल रूप से ओडिशा निवासी हैं। सभी को इलाज के लिए परियारम मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। उसने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे खाना पकाते समय यह घटना हुई।

रक्षा मंत्री ने सिडनी में पहली भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित किया

आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैः राजनाथ सिंह

संजना भारती/पीआईबी

सिडनी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को सिडनी में पहली भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा उद्योग व्यापार गोलमेज बैठक को संबोधित करते हुए दोनों देशों के बीच रणनीतिक, औद्योगिक और तकनीकी क्षेत्रों में बढ़ते सामन्जस्य की पुष्टि की। रक्षा मंत्री ने कहा कि वर्ष 2020 में स्थापित व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अंतर्गत हम अपने रक्षा संबंधों को न केवल साझेदार के रूप में, बल्कि एक सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत के सह-निमार्ता के रूप में पुनः स्थापित करने के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह गोलमेज बैठक केवल एक संवाद नहीं है, बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को व्यापार, उद्योग और नवाचार में स्वाभाविक सहयोगी बनाने की भावना की घोषणा है।

राजनाथ सिंह ने नवंबर 2024 में भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन, अक्टूबर 2024 में 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता, जून 2025 में ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री की भारत यात्रा और ऑस्ट्रेलिया की अपनी वर्तमान यात्रा सहित द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने वाली उच्च-स्तरीय बैठकों की श्रृंखला का स्मरण किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों की नींव साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और संस्थागत समानताओं पर आधारित है। उन्होंने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों राष्ट्रमंडल देशों का हिस्सा हैं। हमारा साझा इतिहास लोकतंत्र, विविधता, स्वतंत्रता और समान शासन संरचनाओं पर आधारित है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि मजबूत द्विपक्षीय संबंध तीन आवश्यक स्तंभों एक दूरदर्शी सरकार-से-सरकार सहयोग, लोगों के बीच संपर्क और व्यावसायिक हितों के अभिसरण पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सरकारी ढांचे मजबूत हैं तथा और अधिक मजबूत हो रहे हैं। जन-हित में, ऑस्ट्रेलिया में हमारे पास एक बड़ा भारतीय प्रवासी समुदाय है, जिसे भारत में

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत के महावाणिज्य दूतावास द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शिरकत की।

बढ़ती ऑस्ट्रेलियाई उपस्थिति से और भी बल मिलता है। हालांकि, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, नवाचार, सह-निर्माण और सह-उत्पादन पर आधारित हमारी रक्षा औद्योगिक साझेदारी में अभी भी बहुत सी संभावनाएं हैं।

राजनाथ सिंह ने भारत की हाल की आर्थिक और औद्योगिक उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि भारत संरचनात्मक सुधारों, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में परिवर्तनकारी यात्रा पर है। उन्होंने कहा कि आज, भारत विश्व स्तर पर चौथी सबसे बड़ी और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है। पिछले वित्त वर्ष में हमारा रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपये (लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अब तक का सर्वोच्च स्तर है। हमारा रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपये (2.76 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, और भारतीय कंपनियां अब लगभग 100 देशों को निर्यात कर रही हैं। घनिष्ठ औद्योगिक सहयोग का आह्वान करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि वह इस मंच को भारत और ऑस्ट्रेलिया को व्यापार और उद्योग में भी स्वाभाविक सहयोगी बनाने के एक महत्वपूर्ण साधन के रूप में देखते हैं। इस गठबंधन के सफल और पारस्परिक रूप से लाभकारी होने के मजबूत आर्थिक कारण हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया क्वांटम सिस्टम, स्वचालित अंडरवाटर व्हीकल्स और उन्नत समुद्री निगरानी जैसी विशिष्ट तकनीकों में उत्कृष्ट है, जबकि भारत विशाल विनिर्माण पैमाने, सॉफ़्टवेयर क्षमताओं और जहाज निर्माण, मिसाइल तकनीक तथा अंतरिक्ष में स्वदेशी क्षमता प्रदान करता है।

दिल्ली में पहली बार हुआ ग्लोबल वाइल्ड लाइफ फेयर-2025 का आयोजन

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आज ग्लोबल वाइल्ड लाइफ फेयर-2025 का आयोजन किया गया। 10 अक्टूबर से 12 अक्टूबर तक चलने वाले इस वाइल्ड लाइफ फेयर के आयोजन में दिल्ली पर्यटन विभाग अहम् भूमिका निभा रहा है। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री कपिल मिश्रा मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री मिश्रा ने कहा कि आयोजकों को बहुत बहुत धन्यवाद जिन्होंने दिल्ली में इस तरह का 3 दिवसीय कार्यक्रम पहली बार आयोजित किया। जब कार्यक्रम आयोजक मुझसे मिलने आए तो मैं इस आयोजन को लेकर बहुत उत्साहित नजर आया और हमने तय किया कि इसे एक एनुअल फेयर बनाया जाए। दिल्ली में ईको टूरिज्म और वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं जिसको पूर्ववर्ती सरकारों ने पूरी तरह अनदेखा किया हुआ था। दिल्ली में अब एक ऐसी सरकार आई है जो इस शहर में वाइल्ड लाइफ और इको-टूरिज्म को पुनर्जीवित करने के लिए प्रतिबद्ध है। श्री मिश्रा ने अपने संबोधन में आगे कहा कि दिल्ली में पक्षियों और स्तनधारियों की अनेक प्रजातियों के साथ ही समृद्ध बायोडायवर्सिटी पार्क, यमुना रिवरबैंक और बड़ा रिज क्षेत्र है लेकिन पिछले दो-तीन दशकों से जैव विविधता और पर्यटन के इस पहलू को पूरी तरह से अनदेखा किया गया था। पर्यटन के नाम पर केवल लाल किला और कुतुब मीनार जैसे जगहों पर ही फोकस किया गया लेकिन दिल्ली सरकार पर्यटन के इन अनछुए क्षेत्रों को भी टच कर रही है।

श्री मिश्रा ने कार्यक्रम में आगे कहा कि दिल्ली सरकार वाइल्ड लाइफ और ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वीकली वाक और अन्य तमाम कार्यक्रम आयोजित करायेगी जिसमें लॉजिस्टिक सहायता और वित्तीय संसाधन भी सरकार उपलब्ध कराएगी। अब समय आ गया है कि हम मिलकर एक योजना और रणनीति बनाएं और अगले दो-तीन वर्षों में दिल्ली को इको-टूरिज्म का हब बनाएं। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुसार आप जैसे प्रतिबद्ध लोगों के साथ मिलकर हम दिल्ली को इको-टूरिज्म का केंद्र बनाना है।

सीएम योगी ने गोरखपुर में किया यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला का शुभारंभ

देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा यूपी : सीएम

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि जहां इंफ्रास्ट्रक्चर, कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और मजबूत कानून व्यवस्था से सुरक्षा का माहौल हो तो वहां दुनिया के निवेश को आने से कोई भी नहीं रोक सकता। उत्तर प्रदेश में आज शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर है, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस है तो यहां की कानून व्यवस्था नजीर मानी जाती है। इनके समन्वय से उत्तर प्रदेश में देश और दुनिया से व्यापक निवेश आया है। आज का उत्तर प्रदेश, देश के विकास में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के चंपा देवी पार्क में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेला के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी मेला का आयोजन राज्य के हर जिले में हो रहा है। इसके पहले प्रदेश में बने उत्पादों को मंच देने के लिए 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन किया गया था। इंटरनेशनल ट्रेड शो में 2250 से अधिक उद्यमियों ने अपने उत्पादों की शो केसिंग की थी। 500 से अधिक विदेशी क्रेता यहां आए थे और इस ट्रेड शो में 11200 करोड रुपये के उत्पादों की बिक्री हुई। यह नए उत्तर प्रदेश की तस्वीर है जो बीमारू राज्य से उबरकर इसे उद्यम प्रदेश के रूप में प्रस्तुत करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब उद्यम लगेंगे तो रोजगार मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी और उस कनेक्टिविटी की सुविधा का लाभ उद्योग ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी मिलेगा। उद्यम लगेंगे तो नई तकनीकी आएगी और रोजगार के नए-नए अवसर भी सृजित होंगे। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने जो प्रगति की है, उससे वह बीमारू की छवि से बाहर निकलकर देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन बन चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2017 के पहले उत्तर प्रदेश में उद्यम लगाना एक सपना था। तब ऐसी अराजकता थी कि लोग यूपी से भागने की फिराक में रहते थे। 2017 के बाद डबल इंजन सरकार में सुरक्षा का जबरदस्त वातावरण बना। जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई। उद्योगों से जुड़े नियमों का सरलीकरण किया गया। इस ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाया गया। एमएसएमई में एक हजार दिनों तक एनओसी लेने की छूट दी गई। इससे उद्यमिता का जबरदस्त माहौल बना।

प्रदेश में जो एमएसएमई यूनिट्स बंद हो रही थी, उन्हें संजीवनी मिलने लगी। एमएसएमई सेक्टर में 96 लाख यूनिट क्रियाशील हैं और इसके जरिए दो करोड लोगों को नौकरी और रोजगार मिलना सुनिश्चित हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजन एमएसएमई में है। यह संकट के समय में भी रोजगार देने वाला क्षेत्र है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौर में जब देश के अन्य राज्यों से 40 लाख श्रमिक उत्तर प्रदेश आए, तब उन्हें एमएसएमई सेक्टर का ही सहारा मिला।

दिल्ली की अदालत चैतन्यानंद की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत एक निजी प्रबंधन संस्थान की 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपी स्वयंभू धर्मगुरु चैतन्यानंद सरस्वती की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी। पटियाला हाउस जिला अदालत के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने शुक्रवार को चैतन्यानंद की याचिका अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीप्ति देवेश को भेज दी जो सोमवार को इसपर सुनवाई करेंगी। इससे पहले, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अतुल अहलावत ने आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई से खुद को अलग कर लिया था, जिसके बाद मामले को अन्य अदालत में सूचीबद्ध करने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के पास भेजा गया था। चैतन्यानंद वर्तमान में न्यायिक हिरासत में है।

गरीबों को दीपावली से पहले घर का सपना हुआ साकार

सीएम योगी ने गोरखपुर में 160 परिवारों को सौंपी फ्लैट की चाबी

संजना भारती संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली से पहले गोरखपुर में गरीबों को अनमोल उपहार सौंपा। पाम पैराडाइज, देवरिया बाईपास स्थित हाई-राइज बिल्डिंग में 160 परिवारों को ईडब्ल्यूएस/एलआईजी फ्लैट्स की चाबियां भेंट कीं। इनमें 80 फ्लैट्स आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और 80 निम्न आय वर्ग (एलआईजी) के लिए हैं। साथ ही, गोरखपुर विकास प्राधिकरण (जीडीए) की 118 करोड़ रुपये की 50 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम ने पौधारोपण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हर परिवार की एक तमन्ना होती है कि उसका अपना एक घर हो, सर ढकने को छत मिले। आज 160 परिवारों को यह दीपावली का शुभ उपहार मिल रहा है। कार्तिक मास के शुभ मुहूर्त में यह उपलब्धि और भी खास है। उन्होंने कहा कि एक परिवार में औसतन 5-6 सदस्य होने पर करीब 700-800 लोग सीधे लाभान्वित हो रहे हैं। यह किसी भी व्यक्ति के लिए केवल आवास ही नहीं, बल्कि जीवन की महत्वपूर्ण घटना होती है।

सीएम योगी ने कहा कि आवास वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ हुआ। जीडीए की हाउसिंग स्कीम में 40 विस्थापित परिवारों को प्राथमिकता दी गई। शेष 120 परिवारों का चयन लॉटरी से हुआ। 9,000 से अधिक आवेदनों में से ये सौभाग्यशाली हैं। विकास प्राधिकरण को चाहिए कि बाकी जरूरतमंदों के लिए आवास प्रक्रिया तेज करें। ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स 35 वर्ग मीटर के हैं, जिनकी बाजार कीमत 13-15 लाख रुपये है, लेकिन सब्सिडी से मात्र 5.40 लाख रुपये में उपलब्ध। एलआईजी फ्लैट्स 41 वर्ग मीटर के हैं, बाजार मूल्य 19-20 लाख के मुकाबले 10.80 लाख रुपये में। उन्होंने कहा कि जब सरकार और जनप्रतिनिधि ईमानदार होंगे तो गरीबों को अपना घर मिलने में किसी भी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकेशन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इस आवास के पास रामगढ़ ताल, जू और खोराबार का बेहतरीन स्थान है। यहीं पर कुछ दूरी पर सांसद रवि किशन का आवास भी है। हाई-राइज बिल्डिंग में सभी आधुनिक सुविधाएं है। उन्होंने कहा कि विकास प्राधिकरणों को चाहिए कि हाईराइज बिल्डिंग के रखरखाव के लिए आवासीय समितियाँ गठित हों, जिससे लिफ्ट और अन्य व्यवस्थाओं का नियमित मेंटेनेंस हो सके। उन्होंने पूर्व योजनाओं गोरख एंक्लेव, राप्ती नगर और पत्रकारपुरम का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर तबके गरीब, स्ट्रीट वेंडर, श्रमिक, पत्रकार, अधिवक्ता, चिकित्सक, शिक्षक, और व्यापारियों के लिए के लिए भी समय-समय पर विशेष योजनाएँ लाई जाएँगी।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के 11 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर 4 करोड़ गरीबों को फ्री आवास उपलब्ध कराए गए हैं। उत्तर प्रदेश में 60 लाख से अधिक गरीबों को आवास मिल चुके हैं। अच्छी नियत से अच्छे कार्य होते हैं।

त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए कानून-व्यवस्था पर सख्त नजरः सीएम मान

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। भारत के चीफ जस्टिस पर जूती फेंकने की कोशिश की कड़ी निंदा करते हुए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह घटिया हरकत भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का परिणाम है।

राज्यसभा के लिए उम्मीदवार प्रमुख उद्योगपति रजिंदर गुप्ता द्वारा नामांकन पत्र दाखिल करने के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अपने नफरत भरे प्रचार के माध्यम से कमजोर और पिछड़े वर्ग के लोगों के हितों को लगातार ध्वस्त करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि यह घटना उसी का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश की न्याय व्यवस्था और यहां तक कि देश की धार्मिक सद्भावना और सामाजिक भाईचारे के लिए भी गंभीर खतरा है।

भगवंत सिंह मान ने कहा कि भारत के चीफ जस्टिस अपने पद पर कड़ी मेहनत और समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं और ऐसी घिनौनी हरकत वास्तव में निंदनीय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखते हुए कानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और किसी को भी राज्य की शांति और सद्भावना भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि पंजाब एक सीमावर्ती राज्य होने के नाते कई विरोधी ताकतें राज्य की शांति, प्रगति, खुशहाली और आम कानून व्यवस्था को प्रभावित करने का प्रयास करती रहती हैं। उन्होंने कहा कि हालांकि ऐसी ताकतों को सफल नहीं होने दिया जाएगा और किसी भी आपराधिक कार्रवाई का उचित जवाब दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब पुलिस राज्य के नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह सक्षम है और किसी को भी कानून व्यवस्था भंग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि त्योहारों के दौरान वे सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से सभी पर्व मनाएं।

त्योहारों के सीजन में खाद्य सामग्री में मिलावट पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को इसकी जांच के लिए व्यापक अभियान शुरू करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही व्यापारियों से अपील की कि त्योहारों के दौरान बेची जाने वाली मिठाइयाँ और अन्य सामान मिलावट रहित और उच्च गुणवत्ता वाले हों। उन्होंने तंदरुस्त स्वास्थ्य पर जोर देते हुए जैविक उत्पाद अपनाने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और कहा कि इन्हें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

पूर्व मंत्री नवजोत सिद्धू के राजनीति में पुनः सक्रिय होने पर मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि कोई भी अपने समय और रुचियों के अनुसार राजनीति में शामिल या बाहर होने के लिए स्वतंत्र है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि सिद्धू ने अपने अन्य रुझानों से समय लेकर एक बार फिर पंजाब को याद किया है। हालांकि उन्होंने कहा कि पूर्व क्रिकेटर से अब कोई नई और बेहतर उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि उन्होंने अपना पुराना एजेंडा दोहराया है। मुख्यमंत्री ने नवजोत सिद्धू को अपने नए राजनीतिक सफर की शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री ने पंजाब के नागरिकों से अपील की कि दीवाली के दौरान सावधानी बरतें और इसे सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल ह्ग्रीन दीवालीह्न के रूप में मनाएं। उन्होंने कहा कि पटाखों के कारण अक्सर आंखों पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए लोग इस पवित्र पर्व को मनाते समय अधिक से अधिक सुरक्षा रखें। बाढ़ को लेकर विपक्षी दलों की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एक प्राकृतिक आपदा है और पंजाब में पहली बार नहीं आई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और अन्य राज्यों में भी इस आपदा ने भारी तबाही मचाई है। उन्होंने बताया कि मूल्यांकन प्रक्रिया जारी है और मुआवजे के चेक जल्द वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार ने बाढ़ के कारण हुए भारी नुकसान की रिपोर्ट पहले ही केंद्र सरकार को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि अब गेंद केंद्र सरकार के पाले में है और मोदी सरकार को बाढ़ से प्रभावित प्रदेश को पुनः खड़ा करने के लिए खुले दिल से फंड जारी करने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने प्रसिद्ध पंजाबी गायक राजवीर जवंदा की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया और इसे पंजाबी संगीत उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति बताया। उन्होंने साथ ही युवा खिलाड़ी और बॉडीबिल्डर वरिंदर घूमण के निधन पर भी शोक व्यक्त किया जिनका गत वीरवार को देहांत हो गया था। भगवंत सिंह मान ने दोनों नौजवानों की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण घटना और राज्य के लिए बड़ी क्षति बताया।

आपदा के बावजूद चारधाम यात्रा में पहुंचे 46 लाख श्रद्धालु

(एजेन्सी)।

उत्तराखंड। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को कहा कि त्रासदी के बावजूद, चार धाम यात्रा का दूसरा चरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। सीएम धामी ने बताया कि उत्तराखंड में इस साल 46 लाख श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार हो गया है और 16 लाख श्रद्धालुओं ने केदारनाथ के दर्शन किए। उत्तराखंड के सीएम धामी ने कहा कि इस साल कई आपदाएँ आईं, लेकिन इसके बावजूद, यात्रा का दूसरा चरण बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। हम इस साल पहले ही 46 लाख श्रद्धालुओं का आंकड़ा पार कर चुके हैं और केदारनाथ में दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 16 लाख तक पहुँच गई है।

यात्रा में अभी भी कई दिन बाकी हैं। मुझे विश्वास है कि श्रद्धालु बहुत बड़ी संख्या में आएंगे। हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि उनकी यात्रा सुरक्षित और सुखद रहे। इस वर्ष 30 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट खुलने के साथ चार धाम यात्रा शुरू हुई। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को और उसके बाद बद्रीनाथ धाम के कपाट 4 मई को खुले। हालाँकि, मानसून के दौरान भारी वर्षा, बादल फटने और भूस्खलन ने तीर्थयात्रा को बुरी तरह बाधित किया। गंगोत्री धाम के रास्ते में पड़ने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव धराली प्राकृतिक आपदाओं से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सम्पादकीय

भारतीय सेना अब हर वर्ष दो बार शारीरिक फिटनेस परीक्षण देंगे

भारतीय सेना ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है कि अब से केवल जवान ही नहीं, बल्कि ब्रिगेडियर, मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल जैसे शीर्ष अधिकारी भी हर वर्ष दो बार शारीरिक फिटनेस परीक्षण देंगे। यह संयुक्त शारीरिक परीक्षण अगले वर्ष अप्रैल से लागू होगा और इसका उद्देश्य है फिटनेस को रैंक से ऊपर रखकर युद्धक तैयारी को नया आयाम देना। हम आपको बता दें कि अब तक सेना में दो अलग-अलग मानक थे। युद्धक शारीरिक दक्षता परीक्षा, 45 वर्ष तक के सैनिकों और अधिकारियों पर लागू थी। तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा 50 वर्ष तक के अधिकारियों पर लागू थी। अब इन दोनों को मिलाकर एक ही प्रणाली बनाई गई है-CPT। इसमें उम्र की ऊपरी सीमा 60 वर्ष कर दी गई है। इसका अर्थ है कि अब शीर्ष तीन-सितारा अधिकारी तक इस दायरे में आएंगे। Combined Physical Test में क्या-क्या शामिल है, इस पर गौर करें तो आपको बता दें कि 3.2 किलोमीटर दौड़ (या तेज चाल) 4.5 किलो वजन के साथ, पुश-अप्स, सिट-अप्स और रस्सी चढ़ना। हर प्रतिभागी को न्यूनतम 6 ग्रेड प्राप्त करना अनिवार्य होगा, अन्यथा उसकी पदोन्नति पर प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, 55 वर्ष तक अधिकारी निगरानी में यह परीक्षण देंगे और उसके बाद 60 वर्ष तक स्व-मूल्यांकन के आधार पर फिटनेस की पुष्टि करेंगे। देखा जाये तो सेना का यह फैसला केवल शारीरिक कसौटी का विस्तार नहीं, बल्कि नेतृत्व दर्शन में बदलाव का संकेत है। आधुनिक युद्ध का स्वरूप भले तकनीक-प्रधान हो गया हो, परंतु मानवीय तत्व उसकी आत्मा बना हुआ है। एक वरिष्ठ अधिकारी जो स्वयं मैदान में शारीरिक रूप से सक्षम है, वही अपने जवानों में आत्मविश्वास और अनुशासन की भावना जगा सकता है। यह निर्णय सेना के उस सिद्धांत को पुनः पुष्ट करता है कि नेतृत्व का अर्थ आदेश देना नहीं, बल्कि उदाहरण बनकर नेतृत्व करना है। सेना के दस्तावेज में भी यही भाव है कि कमांडर को हर समय अग्रिम मोर्चे पर टीम का नेतृत्व करने में सक्षम होना चाहिए। अर्थात, यह कदम सेना के नेतृत्व में शारीरिक विश्वसनीयता और नैतिक अधिकार दोनों को पुनर्स्थापित करता है। देखा जाये तो आज के युद्धक्षेत्र का स्वरूप पहले जैसा नहीं रहा। यह अब केवल शक्ति के टकराव का नहीं, बल्कि सहनशक्ति और तत्परता का युद्ध है। हाइब्रिड वॉरफेयर, मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस, काउंटर-इंसर्जेंसी और सीमित संसाधनों में त्वरित प्रतिक्रिया, इन सबके लिए, सैनिक का शारीरिक और मानसिक रूप से उच्चतम स्तर पर रहना आवश्यक है। डिजिटलाइजेशन और ड्रोन-आधारित युद्धक प्रणालियों के बावजूद, मानव शरीर ही हर सैन्य अभियान का केंद्रबिंदु है। इसलिए सेना का यह फैसला केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से आवश्यक कदम है। सेना दस्तावेज के शब्दों पर गौर करें तो इसमें कहा गया है, ताकत, सहनशक्ति और चपलता युद्ध की तैयारी के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। चुस्त-दुरुस्त सैनिक अपनी यूनिट के लिए अधिक सक्षम, विश्वसनीय और प्रभावी भूमिका में होता है। यह बात केवल जवान पर नहीं, बल्कि शीर्ष नेतृत्व पर भी समान रूप से लागू होती है। सेना ने दो अलग-अलग प्रणालियों को समाप्त कर एकीकृत CPT लागू किया है तो इसका अर्थ है संचालनात्मक एकरूपता।

जयंती

जयप्रकाश नारायण

जन्म: 11 अक्तूबर, 1902; मृत्यु: 8 अक्तूबर, 1979) राजनीतिज्ञ और सिद्धांतवादी नेता थे। मातृभूमि के वरदपुत्र जयप्रकाश नारायण ने हमारे देश की सराहनीय सेवा की है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण त्याग एवं बलिदान की प्रतिमूर्ति थे। कहा गया है-**होनहार बीरवान के होत चीकने पात**
जयप्रकाश विचार के पक्के और बुद्धि के सुलझे हुए व्यक्ति थे। जयप्रकाश जी देश के सच्चे सपूत थे। जयप्रकाश ने देश को अन्धकार से प्रकाश की ओर लाने का सच्चा प्रयास किया, जिसमें वह पूरी तरह से सफल रहे हैं। लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने भारतीय जनमानस पर अपना अमिट छाप छोड़ी है। जयप्रकाश जी का समाजवाद का नारा आज भी गूँज रहा है। समाजवाद का सम्बन्ध न केवल उनके राजनीतिक जीवन से था, अपितु यह उनके सम्पूर्ण जीवन में समाया हुआ था।

पुण्यतिथि

दीना पाठक

जन्म: 4 मार्च, 1922, गुजरात; निधन: 11 अक्टूबर, 2002, हिन्दी फिल्मों की अभिनेत्री थीं। उनकी प्रसिद्ध फिल्मों में 'मौसम', 'किनारा', 'किताब', 'चितचोर', 'घरौंदा', 'गोलमाल', 'खूबसूरत' आदि शामिल हैं। दीना पाठक ने अपने कॅरियर की अधिकतर फिल्में आर्ट निर्देशकों के साथ कीं। ऐसा इसलिए क्यूंकि वह थियेटर जगत से जुड़ी थीं और कमर्शियल फिल्मों की चमक-दमक उन्हें पसंद नहीं थी। भारतीय सिनेमा जगत में दीना पाठक ने ना सिर्फ अभिनय के क्षेत्र में अपना डंका बजाया बल्कि उन्होंने थियेटर जगत को सिनेमा के साथ जोड़ने में बेहद अहम भूमिका निभाई। आजादी से पहले महिलाओं का रंगमंच से जुड़ाव बेहद कम होता था। ऐसे समय में भी दीना पाठक ने रंगमंच को अपनी कर्मभूमि बनाया और उसमें सफलता हासिल करने की कोशिश की। अंग्रेजों से लड़ाई की जंग में दीना पाठक ने भी अपना योगदान दिया। उन्होंने नुक्कड़ और नाटकों द्वारा जनता को अंग्रेजों के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। गुजराती थियेटर को अपनी पहचान दिलाने में दीना पाठक का बेहद अहम योगदान रहा है। 1940 से ही दीना पाठक गुजराती थियेटरों में काम करने लगीं थीं। दीना पाठक की बेटियां रत्ना पाठक और सुप्रिया पाठक भी हिन्दी कला जगत की चर्चित अभिनेत्री हैं। दोनों ने ही अधिकतर हास्य प्रधान टीवी कार्यक्रमों में अपनी छाप छोड़ी है। 80 के दशक के सबसे चर्चित टीवी शो 'मालगुड़ी डेज' में भी दीना पाठक नजर आईं। दीना पाठक की आखिरी फिल्म साल 2003 की 'पिंजर' थी।

कल मिलेंगे

चिंटू-भाई समोसा खाएगा ?
मिंटू-नहीं, आज मेरा व्रत है.
चिंटू-भाई मेरी तरफ से है.
मिंटू-मीठी चटनी डालकर लाना.
चिंटू-"राहों में उनसे मुलाकात हो गई ,जिससे डरते थे वही बात हो गई...इस गाने का क्या मतलब है?
मिंटू-इसका मतलब है कि गायक का चालान कट गया है!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

पंच परिवर्तन और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

-पवन शुक्ला (अधिवक्ता)

> भारत का दृष्टिकोण सदैव प्रकृति मातरं वंदे का रहा है। संघ इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, प्लास्टिक-त्याग, जैविक खेती और नदी-सफाई जैसे अभियानों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक समाज में पर्यावरणीय संतुलन की चेतना फैला रहे हैं। प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि सृजन की सहयात्री है। संघ का अभियान एक वृक्ष-मातृभूमि के नाम इस कृतज्ञता का प्रतीक है

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में केवल अपनी यात्रा का उत्सव नहीं मना रहा, बल्कि भारत के पुनर्निर्माण की दिशा में एक विचार-यात्रा प्रारंभ कर रहा है। इस यात्रा का केंद्र है पंच परिवर्तन, एक ऐसी रूपरेखा जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र तीनों स्तरों पर सकारात्मक परिवर्तन की मांग करती है। संघ का यह प्रयास केवल संगठनात्मक ऊर्जा का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्र की चेतना को नई दिशा देने वाला सामाजिक संकल्प है। भारत आज सामाजिक विषमताओं, पारिवारिक विघटन, पर्यावरणीय असंतुलन, आर्थिक परनिर्भरता और नागरिक दायित्वों की शिथिलता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन परिस्थितियों में पंच परिवर्तन केवल विचार नहीं, बल्कि इन समस्याओं के समाधान का समग्र मार्गदर्शन बनकर सामने आता है। यह पांच परिवर्तन-सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व आधारित जीवनशैली और कर्तव्यनिष्ठ नागरिक निर्माण-भारतीय समाज के नवजागरण की आधारशिला के रूप में उभरते हैं।

समरसता भारतीय समाज की आत्मा है। यह केवल विचार नहीं, बल्कि जीवन का व्यवहार है। संघ का मानना है कि जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र के आधार पर कोई भेदभाव न रहे, तभी भारत अपने सांस्कृतिक स्वरूप को साकार कर सकेगा। समानता और आत्मीयता-यही समाज को जोड़ने की वास्तविक शक्ति है। इसी भावना को साकार करने के लिए संघ के स्वयंसेवक गाँव-गाँव में सहभोजन, समरस उत्सव और संयुक्त सेवा परियोजनाएँ आयोजित कर रहे हैं। एक मंदिर-एक जलस्रोत-एक श्मशान जैसे अभियानों ने ग्रामीण समाज में बंधुता का वातावरण बनाया है। श्रीराम और केवट का प्रसंग आज भी इस समरसता का प्रतीक है, जहाँ सम्मान और आत्मीयता जाति या वर्ग से ऊपर उठ जाती है।

भारतीय संस्कृति में परिवार केवल सामाजिक संस्था नहीं, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला है। आज के यांत्रिक जीवन में जब संवाद घट रहा है और उपभोक्तावाद बढ़ रहा है, तब कुटुंब प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक महसूस होती है। संघ के परिवार प्रबोधन अभियान के अंतर्गत देशभर में संयुक्त भोजन, साप्ताहिक पारिवारिक संवाद, सांस्कृतिक आयोजन और संस्कार वर्ग जैसे प्रयास किए जा रहे हैं। इनसे पीढ़ियों के बीच संवाद पुनः स्थापित हो रहा है और परिवारों में भारतीय जीवन-मूल्य पुनर्जीवित हो रहे हैं। सशक्त परिवार ही सशक्त राष्ट्र की नींव रखता है। बालगोकुलम और संस्कार भारती जैसी पहलें इस कुटुंब संस्कृति को नई ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

भारत का दृष्टिकोण सदैव प्रकृति मातरं वंदे का रहा है। संघ इस परंपरा को आधुनिक संदर्भ में पुनः स्थापित कर रहा है। वृक्षारोपण, जल-संरक्षण, प्लास्टिक-त्याग, जैविक खेती और नदी-सफाई जैसे अभियानों के माध्यम से संघ के स्वयंसेवक समाज में पर्यावरणीय संतुलन की चेतना फैला रहे हैं। प्रकृति केवल संसाधन नहीं, बल्कि सृजन की सहयात्री है। संघ का अभियान एक वृक्ष-मातृभूमि के नाम इस कृतज्ञता का प्रतीक है। यह केवल पर्यावरणीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन की पुनर्स्थापना है।

स्व आधारित जीवनशैली, पंच परिवर्तन का चौथा आयाम है। यह आर्थिक आत्मनिर्भरता के साथ-साथ सांस्कृतिक आत्मविश्वास का भी प्रतीक है। संघ का स्वावलंबन अभियान ग्रामीण और शहरी स्तर पर स्थानीय उत्पादन, हस्तशिल्प, खादी, चरखा, गौ-आधारित उद्योग और स्वदेशी उपक्रमों को प्रोत्साहन दे रहा है। यह केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि आत्मगौरव का आंदोलन है। स्वदेशी केवल व्यापार की नीति नहीं, आत्मा की पुकार है। विदर्भ, केरल और पूर्वोत्तर भारत में ऐसे कई संघ-प्रेरित लघु उद्योग आत्मनिर्भरता के सशक्त उदाहरण बने हैं। स्व का यह भाव भारत को आर्थिक रूप से स्वतंत्र और सांस्कृतिक रूप से स्वाभिमानी राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर है। संघ के विचार में, राष्ट्र निर्माण का मूल कर्तव्यनिष्ठ नागरिक है। शाखाओं और प्रशिक्षण शिविरों में स्वयंसेवकों को सिखाया जाता है कि अधिकारों से पहले कर्तव्य का बोध आवश्यक है। जब हर व्यक्ति राष्ट्र को परिवार मानेगा, तब भारत विश्व का नेतृत्व करेगा। संघ के आपदा राहत, ग्राम स्वच्छता, शिक्षा सेवा केंद्र और स्वास्थ्य अभियानों के माध्यम से लाखों स्वयंसेवक सेवा और अनुशासन की भावना से समाज में सक्रिय हैं। यह परिवर्तन नागरिकता की एक नयी परिभाषा प्रस्तुत करता है, जहाँ राष्ट्र प्रथम सर्वोच्च मूल्य बन जाता है।

पंच परिवर्तन का यह सूत्र वास्तव में भारत के नवजागरण की दिशा में अग्रसर एक जीवंत अवधारणा है। यह भारत को सामाजिक रूप से समरस, पारिवारिक रूप से सुदृढ़, पर्यावरणीय रूप से संतुलित, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और नागरिक रूप से कर्तव्यनिष्ठ बनाना चाहता है। संघ की शाखाएँ, सेवा योजनाएँ, शिक्षा संस्थान और ग्राम विकास कार्य-सभी इस पंच परिवर्तन के सूत्र से जुड़े हुए हैं। यह केवल विचारधारा नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। यह विचार संघ की उस गहराई को प्रकट करता है जो भारत को आत्मा से जोड़ती है, कर्म से सशक्त करती है और विचार से प्रबुद्ध बनाती है। जब समाज का हर घटक अपने स्व की पहचान कर कर्तव्य के मार्ग पर चलता है, तब राष्ट्र केवल भौगोलिक इकाई नहीं रह जाता, वह जीवंत चेतना बन उठता है। यही पंच परिवर्तन की आत्मा है-जो भारत को एक बार फिर विश्व में वसुधैव कुटुम्बकम के मंत्र का ध्वजवाहक बना सकती है।

(लेखक उच्च न्यायालय लखनऊ में राज्य विधि अधिकारी हैं एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विषयों पर लेखनरत हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

भारत पर लगाई शर्तें और अमेरिका को दिया जवाब, रेयर अर्थ के जरिये चीन ने चली नई सामरिक चाल

-नीरज कुमार दुबे

> भारतीय कंपनियों ने एंड-यूजर सर्टिफिकेट देकर यह आश्वासन दिया है कि इन मैग्नेट्स का उपयोग विनाशकारी हथियारों के निर्माण या सैन्य उत्पादन में नहीं किया जाएगा। लेकिन चीन ने भारत से यह भी आश्वासन माँगा है कि वह अमेरिका को इन तत्वों तक पहुँचने से रोकने की गारंटी दे। यही वह बिंदु है जो चीन की नीति का असली उद्देश्य उजागर करता है

वैश्विक शक्ति-संतुलन अब केवल सैन्य बल या आर्थिक आकार से नहीं, बल्कि उन तत्वों की उपलब्धता से भी तय हो रहा है जिन्हें रेयर अर्थ मेटल्स कहा जाता है। यह वह दुर्लभ खनिज हैं जो आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक, रक्षा और हरित तकनीकों की आत्मा हैं। इन्हीं पर चीन ने एक बार फिर नियंत्रण कसते हुए दुनिया को यह स्पष्ट संदेश दिया है कि आने वाले वर्षों में वह केवल विनिर्माण महाशक्ति ही नहीं, बल्कि संसाधन-सर्वोच्चता की भूमिका भी निभाना चाहता है।

हम आपको बता दें कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने हाल ही में रेयर अर्थ और उनसे जुड़ी तकनीकों के निर्यात पर नए प्रतिबंध घोषित किए हैं। अब कोई भी विदेशी कंपनी यदि चीन से निकले इन तत्वों का उपयोग करती है तो उसे विशेष अनुमति लेनी होगी। नये प्रतिबंधों में न केवल कच्चे खनिज शामिल हैं, बल्कि खनन, स्मेल्टिंग, रीसाइक्लिंग और मैग्नेट निर्माण तकनीक तक को नियंत्रण के दायरे में लाया गया है। यह कदम उस समय उठाया गया है जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव नई ऊँचाइयों पर है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उच्च-टैरिफ नीति के जवाब में चीन ने रेयर अर्थ की आपूर्ति को रणनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू किया है। हम आपको बता दें कि विश्व में रेयर अर्थ का लगभग 70% खनन और 90% प्रसंस्करण चीन के नियंत्रण में है। यानी दुनिया की डिजिटल और सैन्य प्रगति की धुरी बीजिंग के हाथ में है। इसी संदर्भ में चीन ने भारत को रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति के लिए जो शर्तें रखी हैं, वह केवल व्यापारिक नहीं, बल्कि भूराजनैतिक प्रकृति की हैं। बीजिंग ने कहा है कि भारत को ये रेयर अर्थ मैग्नेट्स तभी मिलेंगे जब वह यह सुनिश्चित करेगा कि इनका उपयोग केवल घरेलू जरूरतों के लिए होगा और ये किसी भी रूप में अमेरिका तक नहीं पहुँचेंगे।

भारतीय कंपनियों ने एंड-यूजर सर्टिफिकेट देकर यह आश्वासन दिया है कि इन मैग्नेट्स का उपयोग विनाशकारी हथियारों के निर्माण या सैन्य उत्पादन में नहीं किया जाएगा। लेकिन चीन ने भारत से यह भी आश्वासन माँगा है कि वह अमेरिका को इन तत्वों तक पहुँचने से रोकने की गारंटी दे। यही वह बिंदु है जो चीन की नीति का असली उद्देश्य उजागर करता है। यानि वह भारत को अपने नियंत्रण तंत्र में बाँधना चाहता है ताकि अमेरिका-भारत तकनीकी गठजोड़ को सीमित किया जा सके। चीन ने अपने इन कदमों को राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक बताया है। परंतु विश्लेषकों का मानना है कि यह सुरक्षा की आड़ में रणनीतिक संसाधनों के हथियारकरण की नीति है। यह अमेरिका की चिप एक्सपोर्ट कंट्रोल नीति का जवाब है, जिसमें वाशिंगटन ने चीन को उच्च-स्तरीय सेमीकंडक्टर तकनीक देने पर प्रतिबंध लगाया था। अब बीजिंग उसी भाषा में जवाब दे रहा है-यदि तुम हमें चिप्स नहीं दोगे, तो हम तुम्हें रेयर अर्थ नहीं देंगे। साथ ही भारत जैसे देशों से वह यह सुनिश्चित करना चाहता है कि वह उसकी इस रणनीतिक घेराबंदी को कमजोर न करें।

देखा जाये तो भारत की दृष्टि से यह परिस्थिति दोहरी चुनौती प्रस्तुत करती है। एक ओर, भारत की ईवी, नवीकरणीय ऊर्जा, रक्षा उत्पादन और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग इन रेयर अर्थ तत्वों पर निर्भर हैं। दूसरी ओर, चीन द्वारा लगाई गई अमेरिका-निरोधक शर्तें भारत की रणनीतिक स्वतंत्रता को चुनौती देती हैं। उदाहरण के लिए, भारत में ईवी निर्माण में प्रयुक्त मोटरों के 12 से अधिक घटकों में रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आवश्यकता होती है। हल्के रेयर अर्थ के निर्यात को चीन ने फिर से शुरू कर दिया है, परंतु भारी रेयर अर्थ मैग्नेट्स की आपूर्ति पर नियंत्रण अब भी जारी है। इसका सीधा असर बड़े वाहनों, बसों और इलेक्ट्रिक ट्रकों के निर्माण पर पड़ रहा है।

इसके अलावा, दो-पहिया निमार्ता फिलहाल हल्के मैग्नेट या फेराइट मैग्नेट का उपयोग कर रहे हैं, परंतु इससे दक्षता घट जाती है और उत्पादन लागत बढ़ जाती है। इसलिए भारत के लिए यह स्थिति एक सख्त संदेश है कि सप्लाई चेन की स्वतंत्रता अब केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन चुकी है।

देखा जाये तो चीन की यह नीति केवल भारत या अमेरिका के खिलाफ नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था के पुनर्गठन का हिस्सा है। वह यह जताना चाहता है कि यदि पश्चिमी देश तकनीकी निर्यात पर रोक लगाएंगे, तो चीन अपने खनिज संसाधनों के वर्चस्व से जवाब देगा। चीन का यह कदम यह भी दिखाता है कि भविष्य की विश्व राजनीति खनिज प्रभुत्व पर आधारित होगी। अमेरिका पहले ही इस दिशा में कदम उठा चुका है। उसने अपने घरेलू रेयर अर्थ उद्योग में $520 मिलियन का निवेश किया है और MP Materials जैसी कंपनियाँ अमेरिका के भीतर 'Mine-to-Magnet' आपूर्ति श्रृंखला बनाने में जुटी हैं। लेकिन इस प्रक्रिया को पूरा होने में वर्षों लगेंगे। तब तक दुनिया को चीन की शर्तें माननी ही होंगी।

देखा जाये तो भारत को इस परिदृश्य में दो रास्तों में से एक चुनना होगा। या तो चीन पर निर्भर रहकर उसके बनाए गए नियंत्रण ढाँचे को स्वीकार करे, या अपने घरेलू रेयर अर्थ खनन और प्रसंस्करण उद्योग को सशक्त बनाकर स्वतंत्र आपूर्ति श्रृंखला तैयार करे। मोदी सरकार के पास अब यह अवसर है कि वह क्रिटिकल मिनरल मिशन को उसी प्राथमिकता से आगे बढ़ाए, जिस तरह चिप मिशन को बढ़ाया गया है। भारत के पास अंडमान, ओडिशा और अरुणाचल जैसे क्षेत्रों में रेयर अर्थ के पर्याप्त भंडार हैं, आवश्यकता केवल तकनीकी निवेश और नीति-साहस की है। कुल मिलाकर देखें तो चीन की शर्तों का वास्तविक अर्थ यही है कि जो देश संसाधन-निर्भर रहेगा, वह रणनीतिक रूप से स्वतंत्र नहीं रह सकेगा।

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

काठमांडू में राजनीतिक सभा, विरोध प्रदर्शन और धरना आयोजित करने पर बैन

(एजेन्सी)।
काठमांडू। काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने शांति और सुरक्षा के लिए संभावित खतरों का हवाला देते हुए शनिवार को होने वाले सभी प्रकार के प्रदर्शनों, सभाओं और मोटरसाइकिल रैलियों पर रोक लगा दी है। कार्यालय को यह प्रतिबंध तब लगाया गया जब उसे सूचना मिली कि सीपीएन-यूएमएल की युवा शाखा, नेशनल यूथ एसोसिएशन नेपाल सहित कई समूह 11 अक्टूबर को शहर भर में रैलियाँ और सभाएँ आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। यूथ एसोसिएशन ने शनिवार दोपहर 1 बजे मोटरसाइकिल रैली निकालने की घोषणा की थी।

मुख्य ज़िला अधिकारी ईश्वरराज पौडेल ने कहा कि विभिन्न समूहों ने सूचित किया है कि वे शनिवार को काठमांडू ज़िले के विभिन्न हिस्सों में मोटरसाइकिल रैलियाँ और सभाएँ आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। इस कार्यालय ने ऐसी किसी भी रैली, प्रदर्शन या सभा को मंजूरी नहीं देने का फैसला किया है। प्रशासन ने कहा कि उसने संभावित गड़बड़ी को रोकने और सार्वजनिक व निजी संपत्ति की सुरक्षा के लिए यह फैसला लिया है। उन्होंने सितंबर में हुए जेन-जी आंदोलन के दौरान हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं को याद किया।

नोटिस में आगे कहा गया है कि ऐसी गतिविधियाँ सुरक्षा चुनौतियों को बढ़ा सकती हैं और जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों को जटिल बना सकती हैं। बयान में कहा गया है कि शांति और व्यवस्था में खलल के जोखिम को देखते हुए, यह कार्यालय किसी भी प्रकार की रैली, प्रदर्शन या विरोध को मंजूरी नहीं देगा। प्रशासन ने सभी व्यक्तियों और संगठनों को स्थानीय प्रशासन अधिनियम 2028 की धारा 6(3)(ए) और पुलिस अधिनियम 2012 की धारा 19 का पालन करने की याद दिलाई है, जिसके तहत सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए पूर्वानुमति आवश्यक है। इसने सभी से बिना अनुमति के किसी भी सभा का आयोजन या प्रोत्साहन न करने का आग्रह किया है।

इजराइल-हमास युद्धविराम लागू, सैनिकों की वापसी के साथ गाजावासी घर लौट रहे

(एजेन्सी)।
इजरायली सेना ने कहा कि इजरायल और हमास के बीच युद्ध विराम समझौता शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर में प्रभावी हो गया। उन्होंने कहा कि सेनाएं सहमत लाइनों की ओर वापस लौट रही हैं। एक्स पर एक पोस्ट में इजराइल रक्षा बलों ने कहा युद्धविराम समझौता 12:00 बजे प्रभावी हुआ। इसमें आगे कहा गया कि दोपहर 12 बजे से, आईडीएफ सैनिकों ने युद्धविराम समझौते और बंधकों की वापसी की तैयारी के लिए अद्यतन तैनाती रेखाओं पर अपनी तैनाती शुरू कर दी। दक्षिणी कमान में आईडीएफ सैनिक क्षेत्र में तैनात हैं और किसी भी तात्कालिक खतरे को दूर करने के लिए काम करते रहेंगे।

यह घटनाक्रम इजराइली कैबिनेट द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की गाजा पट्टी में शांति योजना समझौते को मंजूरी दिए जाने के कुछ ही घंटों बाद सामने आया है, जिसमें बंधकों की रिहाई और फिलिस्तीनी कैदियों की अदला-बदली का समझौता भी शामिल है। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के अनुसार, गाजा में 20 बंधक जीवित हैं, जबकि 28 अन्य मृत हैं।

मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद गाजा निवासियों ने शुक्रवार सुबह तक गोलाबारी तेज होने की सूचना दी। मध्य गाजा के नुसेरात शरणार्थी शिविर में, गाजा शहर से विस्थापित होकर वहां शरण लिये कई लोगों में से एक, महमूद शाकार्वी ने बताया कि तड़के तोपखाने की गोलाबारी तेज हो गई। शाकार्वी ने कहा, आज गोलाबारी में काफी वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि मध्य गाजा के ऊपर कम ऊंचाई पर उड़ान भरने वाले सैन्य विमान भी उड़ रहे हैं। उत्तरी गाजा में लोगों ने बताया कि बमबारी तड़के से ही जारी थी। शिफा अस्पताल के प्रबंध निदेशक, रामी महन्ना ने कहा कि इजराइली कैबिनेट द्वारा युद्धविराम योजना को मंजूरी दिए जाने के बाद भी दक्षिणी और उत्तरी गाजा शहर में गोलाबारी बंद नहीं हुई है।

भारत सेमीफाइनल में इंडोनेशिया से हारा, पहली बार जीता कांस्य पदक

(एजेन्सी)।
भारत का BWF विश्व जूनियर मिश्रित टीम बैडमिंटन चैंपियनशिप में शानदार अभियान शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंडोनेशिया से हारकर कांस्य पदक के साथ समाप्त हो गया। भारत ने गुरुवार को पूर्व चैंपियन कोरिया पर क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ इस मिश्रित टीम प्रतियोगिता में पहली बार अपने नाम पर पदक पक्का किया था लेकिन वह अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार इंडोनेशिया से 35-45, 21-45 से हार गया।

इंडोनेशिया का अगला मुकाबला 14 बार के चैंपियन चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। भारत ने बुधवार को कोरिया को हराने वाली टीम में सिर्फ एक बदलाव किया। मिश्रित युगल में आन्या बिष्ट की जगह विशाखा टोप्पो को शामिल किया, जबकि एक बार फिर लड़कों के युगल वर्ग से मुकाबले की शुरूआत की। भारत के शीर्ष युगल संयोजन भार्गव राम अरिगेला और विश्वा तेज गोब्बुरू ने इंडोनेशिया के मुहम्मद रिजकी मुबारक और रेहान दफा प्रामोनो को 9-5 से हराकर उलटफेर की उम्मीदें जगा दीं। उन्नति हुड्डा लड़कियों के एकल मुकाबले में थलिता विर्यवान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ खेल नहीं दिखा सकी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने भारत को 18-16 से आगे बनाए रखा। इंडोनेशिया के विश्व जूनियर नंबर एक खिलाड़ी मोहम्मद उबैदिल्लाह ने रौनक चौहान को 11-5 से हराकर अपनी टीम को चार अंकों की बढ़त दिला दी।

लालरामसांगा और विशाखा टोप्पो की मिश्रित युगल जोड़ी ने 9-3 से बढ़त बनाई लेकिन इखसान प्रमुद्या और रिंजानी नास्तिने की इंडोनेशियाई जोड़ी ने आखिर में 10-9 से जीत हासिल करने में सफल रही।

केएल राहुल ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में पूरे किए 2000 रन

(एजेन्सी)।
टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 हजार रन पूरे करने वाले 28वें बल्लेबाज बन गए हैं। केएल राहुल दिल्ली में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 रन बनाने वाले सातवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी दो हजार रन पूरा कर चुके हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। पंत ने 2731 रन बनाए हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने डब्ल्यूटीसी में 6 शतक जड़े हैं। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड इंग्लैंड के स्टार क्रिकेटर जो रूट के नाम है। रूट ने 69 मैचों में 6080 रन बनाए हैं। उन्होंने इस दौरान 21 शतक लगाए हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने 40 मैचों में 2761 रन बनाए हैं। शुभमन गिल के

पास पंत और रोहित को पीछे छोड़ने का मौका है। शुभमन गिल 71 पारियों में 2712 रन बना चुके हैं। विराट कोहली ने 46 टेस्ट में 2617 रन बनाए हैं। गिल के नाम 9 शतक है। कोहली ने डब्ल्यूटीसी में 5 शतक जड़े हैं। राहुल ने पहली पारी में 38 रन बनाए। उन्होंने वारिकन की गेंद पर स्टंप आउट होने से पहले पिछले ओवर में स्पिनर खैरी पियरे को डीप मिडविकेट पर छक्का लगाया था। वह वारिकन की गेंद की लेंथ का सही अनुमान नहीं लगा पाए और विकेटकीपर टेविन इमलाच ने उन्हें स्टंप आउट करने में कोई गलती नहीं की। बल्लेबाजी के लिए अनुकूल दिख रही पिच पर शानदार फॉर्म में चल रहे राहुल से बड़ी पारी की उम्मीद थी।

डॉलर के मुकाबले रुपया 10 पैसे चढ़कर 88 .69 पर बंद

(एजेन्सी)।
अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 10 पैसे बढ़कर 88.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ। घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण रुपये को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि मजबूत घरेलू बाजारों और जिंसों की कीमत में आई गिरावट के कारण रुपये में यह तेजी आई। केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप से भी घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। हालांकि, उन्होंने कहा कि मजबूत अमेरिकी डॉलर ने तेज बढ़त पर अंकुश लगाया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में, रुपया 88.80 पर खुला और 88.50-88.80 के दायरे में कारोबार करने के बाद 88.69 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे अधिक है। बृहस्पतिवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक (मुद्रा एवं जिंस) अनुज चौधरी ने कहा, हमारा अनुमान है कि घरेलू बाजारों में मजबूती और कच्चे तेल की कीमतों में व्यापक कमजोरी के चलते रुपया सकारात्मक रुख के साथ कारोबार करेगा। वित्तपोषण की समस्या के कारण अमेरिकी में कई विभागों के कामकाज ठप होने (शटडाउन) और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती संभावना से रुपये को और मजबूती मिल सकती है।

चौधरी ने कहा, मजबूत अमेरिकी डॉलर और आयातकों की डॉलर की मांग बढ़ने से रुपये की तेजी पर रोक सकती है। डॉलर-रुपये की हाजिर कीमत 88.40 से 88.85 के बीच रहने की उम्मीद है। इस बीच, छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को दशार्ने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.32 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 64.85 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर, बीएसई सेंसेक्स 328.72 अंक बढ़कर 82,500.82 पर जबकि निफ्टी 103.55 अंक बढ़कर 25,285.35 पर बंद हुआ। इस बीच, शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक शुद्ध लिवाल रहे। उन्होंने बृहस्पतिवार को 1,308.16 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

एक्ट्रेस रेखा ने मनाई अपना 71वां जन्मदिन

(एजेन्सी)। बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस रेखा के सिर्फ दर्शक ही नहीं बल्कि नेता और अभिनेता भी दीवाने हैं। आज यानी की 10 अक्तूबर को रेखा अपना 71वां जन्मदिन मना रही हैं। रेखा का डांस, अभिनय और अदाएं हर किसी को दीवाना बना लेती हैं। तभी आज भी रेखा सभी की पसंदीदा एक्ट्रेस बनी हुई हैं। बता दें कि अभिनेत्री ने 16 साल की उम्र में इंडस्ट्री में कदम रखा था। उन्होंने अपनी काबिलियत और मेहनत के दम पर फिल्म इंडस्ट्री में और ऑडियंस के दिल में जगह बनाई है। कई अभिनेताओं के साथ नाम जुड़ने के बाद भी रेखा सिंगल जिंदगी जी रही हैं। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेत्री रेखा से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

मद्रास में 10 अक्तूबर 1954 को रेखा का जन्म हुआ था। इनका असली नाम भानुरेखा गणेशन हैं। इनके पिता का नाम जेमिनी गणेशन था, जोकि 'किंग ऑफ रोमांस' भी कहे जाते थे। वहीं रेखा की मां पुष्पावल्ली था और वह भी अभिनेत्री थीं। ऐसे में रेखा ने भी बचपन में ही अभिनेत्री बनने का मन बना लिया था।

महज 16 साल की उम्र में रेखा ने फिल्मी इंडस्ट्री में एंट्री कर ली थी। उन्होंने साल 1966 में आई तमिल फिल्म 'रंगुला रतलाम' से इंडस्ट्री में कदम रखा था। इस फिल्म में रेखा बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट नजर आई थीं। रेखा की बतौर मुख्य भूमिका में पहली कन्नड़ फिल्म 'ऑपरेशन जैकपॉट नल्ली सीआईडी 999' थी। वहीं एक्ट्रेस ने फिल्म 'सावन भादों' से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा था। इसके बाद रेखा ने घर और मुकद्दर का सिकंदर जैसी शानदार फिल्मों में काम किया और यहां से अभिनेत्री के करियर के सबसे सफल दौर की शुरूआत की। कॉमेडी फिल्म खूबसूरत के लिए अभिनेत्री को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पहला पुरस्कार मिला था। इसके बाद अभिनेत्री ने एक ही भूल, बसेरा, सुहाग, सिलसिला, खिलाड़ियों का खिलाड़ी, बीवी हो तो ऐसी, उमराव जान, मिस्टर नटवरलाल, राम बलराम, खून पसीना, अगर तुम न होते और जीवन धारा में कई बेहतरीन भूमिकाएं निभाईं।

सेन्ट्रल बार में नवागत जिला जज संजीव शुक्ला का हुआ सम्मान

एसबी संवाददाता

वाराणसी। शुक्रवार को बार द्वय सेन्ट्रल बार व बनारस बार एसोसिएशन द्वारा नवागत जिला जज संजीव शुक्ला का अधिवक्ता परिचय सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंगलेश दुबे अध्यक्ष दी सेन्ट्रल बार व संचालन राजेश गुप्ता महामंत्री ने किया। समारोह में सरस्वती वन्दना से कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

सर्वप्रथम सतीश तिवारी अध्यक्ष बनारस बार व शशांक श्रीवास्तव महामंत्री बनारस बार ने जिला जज का माल्यार्पण कर स्वागत किया तत्पश्चात अधिवक्ताओं ने जिला जज का माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में संयुक्त बार के पदाधिकारियों द्वारा जिला जज को स्मृतिचिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया।

समारोह में नवागत जिला जज संजीव शुक्ला ने अपने सम्बोधन में कहा कि न्यायिक प्रक्रिया जटिल नहीं बल्कि सभी के लिए सरल व सुलभ होगा। उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित ग्रेविनान्स

सेन्ट्रल बार के गांधी सभागार में नवागत जिला जज संजीव शुक्ला को सम्मानित करते हुए बार के पदाधिकारी। (छाया: एसबी)

रेफरल कमेटी की बैठके कर अधिवक्ताओं की समस्याओं को भी निस्तारित किया जायेगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडीजे देवकांत शुक्ला, एडीजे रविन्द्र श्रीवास्तव, सीजेएम मनीष कुमार, सुरेश श्रीवास्तव, अशोक प्रिन्स, दीपक राय कान्हा, अशोक उपाध्याय, सत्य प्रकाश सिंह, रमाशंकर प्रजापति, विधु प्रकाश पाण्डेय, वासुदेव पटेल, प्रभुनारायण सोनकर, मंगल राजभर, प्रेमप्रकाश गौतम, मुरलीधर सिंह, शाहनवाज खान, श्रवण कुमार, रोहित मौर्या, गौतम कुमार झा सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

बिहार विधानसभा चुनाव-2025 की प्रथम अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया प्रारंभ: जिला निर्वाचन पदाधिकारी, सिवान

संजना भारती संवाददाता

सिवान। शुक्रवार को बिहार विधान सभा आम चुनाव-2025 के तत्वाधान में अधिसूचना जारी कर दी गई। बिहार विधानसभा चुनाव के तत्वाधान में सिवान जिले में 06 नवंबर 2025 को चुनाव की तिथि निर्धारित की गई है। अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई इस संबंध में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी सिवान डॉ आदित्य प्रकाश ने प्रेसवार्ता कर मीडियाकर्मीगण को अधिसूचना जारी होने के साथ चुनाव से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार बिहार विधानसभा आम चुनाव 2025 के पहले चरण के लिए आज 10 अक्टूबर 2025 शुक्रवार को अधिसूचना जारी हो चुकी है। इसके साथ ही जिला के सभी 08 विधानसभा के निवार्ची पदाधिकारी ने फॉर्म-1 में नोटिस प्रकशित कर दिया है।

उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिला पदाधिकारी डॉ आदित्य प्रकाश प्रेस वार्ता में बताई। जिलाधिकारी ने बताया कि छह

विधानसभा क्षेत्रों के नामांकन जिला मुख्यालय में स्वीकार किए जाएंगे। जबकि महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में दो विधानसभा के लिए नामांकन भरे जाएंगे। उन्होंने बताया अपर समाहर्ता सिवान के कार्यालय कक्ष में105- सिवान विधानसभा क्षेत्र, 106-जीरादेई विधानसभा क्षेत्र के लिए भूमि सुधार उप समाहर्ता सिवान सदर के कार्यालय प्रकोष्ठ में, 107-दरौली (अनुसूचित जाति) जिला पंचायती राज पदाधिकारी के कार्यालय प्रकोष्ठ में, 108-रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, सिवान सदर के कार्यालय प्रकोष्ठ में, 109-दरौंदा विधानसभा क्षेत्र के लिए उप विकास आयुक्त सिवान के कार्यालय प्रकोष्ठ, विकास भवन, जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सिवान में,110-बड़हरिया विधानसभा क्षेत्र के लिए जिला भू अर्जन पदाधिकारी सिवान के कार्यालय प्रकोष्ठ में, 111-गोरियाकोठी विधानसभा क्षेत्र के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता महाराजगंज के कार्यालय प्रकोष्ठ में, 112-महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र के लिए अनुमंडल पदाधिकारी महाराजगंज के कार्यालय प्रकोष्ठ में नामांकन दाखिल करने हेतु निवार्ची पदाधिकारी का कक्ष बनाया गया है। अभ्यर्थियों को नामांकन फॉर्मेट के लिए किट उसी कार्यालय से प्राप्त होंगे। इसके लिए सामान्य वर्ग को 10 हजार और एससी-एसटी को पांच हजार की नाजिर रसीद कटवानी होगी। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आरओ कक्ष के साथ हेल्प डेस्क भी बनाए गए हैं। जहां उन्हें वांछित जानकारियां प्राप्त हो सकती हैं।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-डीएम ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया पूर्णतः निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध होगी। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के स्तर पर सभी आरओ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। वहीं उनके स्तर पर भी गहन कार्यशाला का आयोजन कर व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया जा चुका है। सभी विधानसभा में एकरूपता, पारदर्शिता और निष्पक्षता की हिदायत दी गयी है। इसके अलावा जिला स्तर पर गठित कोषांग सहायता या मार्गदर्शन के लिए तत्पर रहेंगे। प्रत्येक स्तर पर सीसीटीवी कैमरा एवं वीडियोग्राफी की व्यवस्था सुनिश्चित की गयी है। प्राप्त नामांकन पत्रों के उसी दिन आयोग के साइट पर अपलोड करने और आरओ नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है।

डीएम ने बताया कि नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी। वहीं अंतिम तिथि 17 अक्टूबर नियत है। परंतु आयोग के निदेशानुसार एन0आई0 ऐक्ट 1881 के तहत अवकाश के दिनों में नामांकन स्वीकार नहीं किए जाते हैं। इस प्रकार 11 एवं 12 अक्टूबर को सरकारी अवकाश होने के कारण नामांकन दाखिल करने के लिए अभ्यर्थियों को आज के बाद 13 से 17 अक्टूबर का ही वक्त मिलेगा। नामांकन पूर्वाहन 11:00 बजे से अपराहन 03:00 बजे तक प्राप्त किये जाएंगे।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के खैरी गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट जिसका CR-न. 758/2025 में फरार चल रहे अभियुक्त (1) राजू कुमार चौधरी पिता त्रिवेणी चौधरी-ग्राम-खैरी-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष रंजीत कुमार चौधरी ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त राजू कुमार चौधरी-पिता-त्रिवेणी चौधरी-ग्राम-खैरी जो समस्तीपुर न्यायालय के -CR-758/22 में फरार रहने के कारण अभियुक्त के विरूद्व समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के साथ बीती अभियुक्त राजू कुमार चौधरी ग्राम-खैरी-थाना खानपुर को घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। जिसे गिरफ्तारी कागजात

तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

स्व. मुलायम सिंह यादव देश के महान नेता थे: पूर्व मंत्री आबिद रजा

■ नेताजी कहते थे लकीर खेंच कर सियासत करो: पूर्व मंत्री आबिद रजा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूँ। सपा के स्टार प्रचारक व राष्ट्रीय सचिव पूर्व मंत्री आबिद रजा ने स्व. मुलायम सिंह यादव नेताजी की पुण्यतिथि पर नेताजी के चित्र पर फूल चढ़ाते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा नेताजी देश के महान नेताओं में से एक थे। नेताजी ने अपनी जिन्दगी में संघर्ष के साथ सियासत में कामयाबी हासिल की थी।

वह संघर्षशील होने के साथ-साथ राजनैतिक दांव पेंच में माहिर थे तथा विपक्षी लोग नेताजी के राजनैतिक कौशल का लोहा मानते थे। नेताजी किसान, नौजवान, अल्पसंख्यक, छात्र, गरीब व देश की आधी आबादी के हक के लिए लड़ते थे। नेताजी सब समाज के लोगों को साथ लेकर चलने की कोशिश करते थे। नेताजी की विचारधारा आज के समय के नेताओं व कार्यकताओं के लिए प्रेरणा है। स्व० मुलायम सिंह यादव जी की उच्च विचारधारा कठिन परिश्रम, सियासी संघर्ष, बेहतर राजनैतिक कौशल, सियासत के साथ-साथ बेहतर कूटनीति के मालिक थे इसी वजह से देश की जनता ने मा० स्व० मुलायम सिंह यादव जी का नाम "नेताजी" रखा। हमारे भी नेताजी सियासत में आदर्श रहें हैं। हमने बहुत कुछ सियासत में नेताजी से सीखा है। नेताजी ने ही सिखाया है कभी झुक कर सियासत मत करो, किसी की गुलामी मत करो, इज्जत करो। पूर्व मंत्री आबिद रजा ने कहा नेताजी कहते थे कि विपक्षी पार्टी व सियासी मुखालिकों से लकीर खेंच कर सियासत करो।

आज नेताजी की पुण्यतिथि पर सपा के नेताओं व कार्यकताओं से कहना चाहते हैं कि अगर आप लोग सच्चे मन से नेताजी से प्यार करते हैं तो आप नेताजी ने जिस तरह से सियासी जिन्दगी

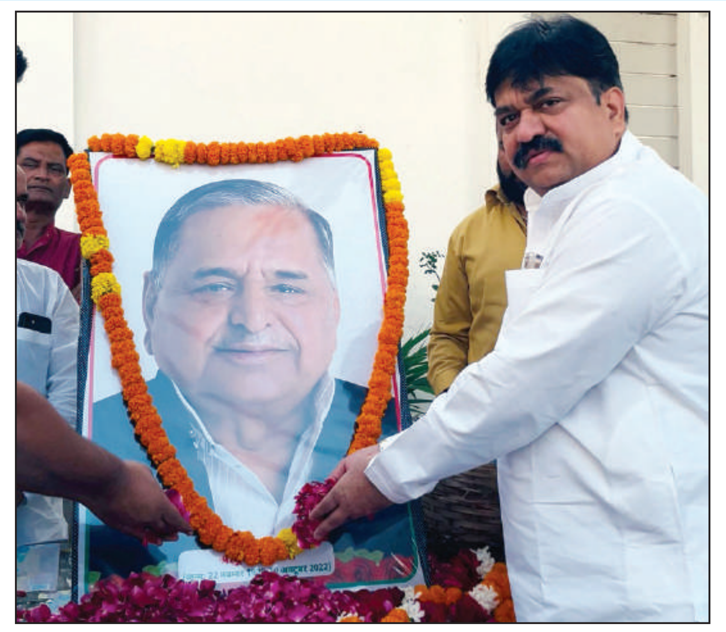

का सफर तय किया आप लोग नेताजी से सीख लेकर सियासत में आगे बढ़े, यही नेताजी के लिए सच्ची श्रदांजलि होगी, तथा नेताजी के आर्दशो पर चलते हुए समाजवादी पार्टी को ऊंचाई पर ले जाये।

श्रद्धांजलि सभा में फरहत अली नगर अध्यक्ष, स्वाले चौधरी प्रदेश उपाध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड, भानू यादव प्रदेश उपाध्यक्ष युवजन सभा, अफसर अली खां प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक समाज, अनवार आलम, सी एल गौतम एडवोकेट, मुशाहिद पीर जी, डॉ आशु, वसीम सैफी, हर्षित यादव, सोमेन्दर यादव, मुकुल प्रताप, समर खां, अजहर सिद्दीकी, कौसर अली, महेश सक्सेना, साकिब भाई, संजय सक्सेना, रणवीर यादव, छोटू भाई, बब्लू भाई, फहीम, पप्पन पीर जी, शमीम चौधरी, हिमांशु वैश्य आदि लोग मौजूद रहें।

सुहागिनों ने चांद का दीदार कर खोला व्रत

संजना भारती संवाददाता

अररिया। सुहाग की दीघार्यु के लिए रखा जाने वाला करवा चौथ व्रत शुक्रवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुहागिनों ने सोलह श्रंगार कर अपने पति के मंगलमय और सुखी दांपत्य जीवन के लिए निर्जला व्रत रखकर विधिपूर्वक पूजा-पाठ कर भगवान शिव और माता पार्वती से पति की दीघार्यु के लिए कामना की। दिनभर बाजार में भी खासी चहल-पहल नजर आई। दुकानों में महिलाएं कपड़े और श्रंगार के अन्य सामान की खरीद में मशगूल दिखीं। शुक्रवार की देर शाम को भरगामा, महथावा, शंकरपुर, सिमर बनी, खजुरी का नजारा देखते हीं बना। सुहाग के जोड़े में सजी व्रती महिलाएं शाम के समय चांद के दीदार को हर पल आसमान की ओर टुकड़-टुकड़ झांकते नजर आईं। शाम के करीब 06:12 बजे चांद अपनी शीतल आभा लेकर आसमान में खिल उठा। महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर छलनी की ओट से चांद और फिर अपने सुहाग के दर्शन किए। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद सुहागिनों ने अपना व्रत तोड़ा।

पंडित हरेराम झा का कहना है कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तपस्या की थी। माता पार्वती की तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और उनकी मनोकामना पूरी की। इसी दिन से करवा चौथ के व्रत की शुरूआत मानी जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार, भगवान कृष्ण ने द्रौपदी को पांडवों की लंबी उम्र के लिए करवा चौथ का व्रत करने को कहा था। द्रौपदी ने यह व्रत किया और पांडवों को दीघार्यु प्राप्त हुई। रानी वीरवती की कथा भी प्रचलित है, जिसमें उन्होंने अपने भाइयों द्वारा दिए गए धोखे के कारण पति को खो दिया था, लेकिन देवी पार्वती के आशीर्वाद से दोबारा व्रत रखकर पति का जीवन वापस पाया। ये कथाएं महिलाओं को करवा चौथ का व्रत निष्ठा और विश्वास से रखने के लिए प्रेरित करती है।

एचयूआरएल बरौनी और इंडियन ऑयल बरौनी ने औद्योगिक सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए पारस्परिक सहायता साझेदारी की

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

बरौनी (बेगूसराय)। क्षेत्र में औद्योगिक सुरक्षा, आपातकालीन तैयारी और संकट प्रतिक्रिया को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) बरौनी और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) बरौनी ने आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस समारोह में एचयूआरएल के प्रबंध निदेशक, डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती, आईओसीएल बरौनी के कार्यकारी निदेशक और रिफाइनरी प्रमुख, सत्य प्रकाश और दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रही।

इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य आग, विस्फोट या रासायनिक रिसाव जैसी औद्योगिक आपात स्थितियों के मामले में पारस्परिक सहायता के लिए एक औपचारिक ढांचा स्थापित करना है। अपने संसाधनों और विशेषज्ञता को मिलाकर, दोनों संयंत्र किसी भी अप्रत्याशित घटना

को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होंगे, जिससे कर्मचारियों, परिसंपत्तियों और स्थानीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

एमओयू के मुख्य विवरण:

संसाधन साझाकरण: यह समझौता आपात स्थिति के दौरान विशेष उपकरणों, जनशक्ति और तकनीकी जानकारी के निर्बाध आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। इसमें दोनों संयंत्रों से विशेष अग्निशमन वाहनों, बचाव उपकरणों और योग्य कर्मियों तक पहुंच शामिल है।

संयुक्त प्रशिक्षण और अभ्यास: एक समन्वित और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए, एचयूआरएल और आईओसीएल की टीमें संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम और मॉक ड्रिल आयोजित करेंगी। यह उनके आपातकालीन प्रोटोकॉल को सामंजस्य बिठाने और परिचालन तत्परता सुनिश्चित करने में मदद करेगा।

सूचना का आदान-प्रदान: एमओयू संकट के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी और अपडेट साझा करने के लिए एक स्पष्ट चैनल स्थापित करता है। यह त्वरित निर्णय लेने और अधिक समन्वित प्रतिक्रिया रणनीति को सक्षम करेगा।

क्षेत्रीय सुरक्षा वृद्धि: यह सहयोगी पहल संयंत्र की सीमाओं से परे तक फैली हुई है, जो बरौनी क्षेत्र में औद्योगिक क्लस्टर के लिए समग्र सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया बुनियादी ढांचे को मजबूत करती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, एचयूआरएल के प्रबंध निदेशक, डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती ने कहा, यह आपसी सहायता समझौता सुरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता का प्रमाण है। अपने पड़ोसी, इंडियन ऑयल बरौनी के साथ मिलकर, हम अपने लोगों और अपने समुदाय की रक्षा करने की अपनी सामूहिक क्षमता को मजबूत कर रहे हैं। यह क्षेत्र में सुरक्षित औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है।

खो-खो खेल प्रतियोगिता में उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय नौवाडीह पहाड़पुर की टीम ने लहराया परचम

संजना भारती संवाददाता

मोतिहारी। खेल विभाग, बिहार सरकार एवं बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता का शुभारम्भ सौरभ जोरवाल जिलाधिकारी, उप विकास आयुक्त प्रदीप कुमार एवं जिला खेल पदाधिकारी शुभम कुमार के द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के तहत खिलाड़ियों को अपने घर एवं मोहल्ले के सदस्यों को विधानसभा चुनाव में मतदान हेतु प्रेरित करने का मार्गदर्शन किया। साथ ही स्वीप सेल्फी पॉइंट पर सभी पदाधिकारियों ने सेल्फी लिया। जिला स्तरीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों की खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई।

जिलाधिकारी द्वारा खिलाड़ियों को खेल की शपथ दिलाई गई। अंडर-19 खो-खो बालक वर्ग खेल प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों की टीम ने भाग लिया। खो-खो अंडर-19 बालक वर्ग में उत्क्रमित उच्च विद्यालय नौवाडीह, पहाड़पुर की टीम विजेता घोषित हुई साथ ही U-14 बालिका वर्ग खो-खो खेल प्रतियोगिता में भी उत्कमित उच्च माध्यमिक विद्यालय नौवाडीह पहाड़पुर की टीम जीत दर्ज करा कर विद्यालय एवं प्रखंड का नाम रौशन किया, विद्यापति स्कूल पताही की टीम उप विजेता रही। प्राचार्य अमृतेंद्र कुमार एवं राजकिशोर पासवान, राजीव कुमार रंजन एवं जेबा खातून शिक्षक की देख रेख में बच्चों को सम्मिलित कराया गया। विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों में खुशी की लहर है। खिलाड़ियों को बधाई देने वालों में हीरालाल राउत प्र. अ, राजीव कुमार रंजन, मनीष कुमार, उर्वशी कुमारी, गौतम पांडे, विपिन कुमार, महताब आलम, सपना कुमारी, प्रिया कुमारी, नितिन आनंद संजय कुमार सिंह आदि शिक्षकों का नाम शामिल है।

रक्तदान करके दी सच्ची श्रद्धांजलि

एसबी ब्यूरो प्रमुख/इन्तजार हुसैन

बदायूँ। समाजवादी पार्टी के संस्थापक, देश के पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री 'पद्म विभूषण' श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की तृतीय पुण्यतिथि के मौके पर बदायूं चैरिटेबल ब्लड सेंटर मिशन इंग्लिश स्कूल के सामने उसावा रोड बदायूं पर तमाम समाजवादी साथियों ने रक्तदान कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर बदायूँ लोकसभा क्षेत्र से सांसद आदित्य यादव के निजी सचिव अनिल गोस्वामी, शशांक यादव, सुशांत सिंह राठौड़, अतुल पटेल, रजत यादव, जाहिद गाजी, आलोक यादव, अरहम रजा, जितेंद्र यादव, अमरीश यादव, अनूप यादव, अर्जुन कश्यप, अमन भारती,

मोहित यादव, पुष्पेंद्र सागर, राजेश यादव, फैजान राइन, सुरेंद्र यादव, सुरेंद्र सागर, सुभाष यादव, अरविंद यादव सहित आदि लोगों ने रक्तदान में अपना योगदान दिया।

ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जारी किए सख्त आदेश

जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जारी आदेशों की गंभीरता से पालन करें अधिकारी-विज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। शुक्रवार, 10 अक्तूबर को आरकेएसडी कॉलेज के सभागार जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के परिवहन, ऊर्जा एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने 19 शिकायतों की सुनवाई की गई। इसमें पांच पुरानी व 14 नई शिकायतें शामिल रही। बैठक में मंत्री अनिल विज ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में जो भी आदेश दिए जाते हैं, उनकी गंभीरता से पालन किया जाए। ताकि आमजन को राहत मिल सके। मंत्री ने कई मामलों में अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए। उन्होंने पांच अलग-अलग मामलों में एसडीओ सहित जिम्मेदार कर्मचारियों, फाइनेंस कंपनी सहित अन्य के खिलाफ केस दर्ज कर आवश्यक सकार्रवाई करने के आदेश जारी किए। साथ ही एसडीओ को सनिलंबित करने के भी आदेश दिए। साथ ही उन्होंने दो मामलों में जिला कष्ट निवारण समिति सदस्यों व अधिकारियों की सकमेटियों का गठन कर जांच रिपोर्ट देने व एक मामले में डीसी को जांच सकर रिपोर्ट देने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि अनिल विज के दरबार में बार बार तारीख नहीं मिलती। यहां न्याय मिलता है। यहां काम में लापरवाही और भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाता।

बैठक में पुरानी शिकायतों में शामिल पहली शिकायत में सीवन गेट निवासी मनजीत सिंह की उसकी बेटी को विदेश भेजने में धोखाधड़ी संबंधी शिकायत पर मंत्री अनिल विज ने एसपी को निर्देश दिए कि वे आरोपियों के खिलाफ चंडीगढ़ की बजाए जिला कैथल में ही एफआईआर दर्ज कर पीड़ित को न्याय दिलवाएं। इस शिकायत को लंबित रखा गया।

दूसरी शिकायत में जनकपुरी कालोनी निवासी सतीश कुमार की थी।अपनी शिकायत में उसने आरोप लगाया था कि उसके पड़ोस में किराये पर रहने वाले चार युवकों को गली में शराब पीने पर टोकने पर उसके साथ मारपीट की। इस मामले में दोनों पक्षों का आपस में समझौता होने के कारण इस शिकायत का निपटान कर दिया गया। कसान निवासी कुसुम की शिकायत थी कि उसके बैंक खाते से 5600 रुपये की मनरेगा से आई राशि काट ली। इस मामले की जांच एलडीएम द्वारा की गई। जिसमें बजाज फाइनेंस कंपनी की कमी पाई गई।

पिछली बैठक में डीसी प्रीति ने कंपनी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे, लेकिन पुलिस विभाग ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इस पर मंत्री अनिल विज ने सख्त लहजे में कहा कि जांच की जाए कि पिछली बैठक में जो आदेश जारी किए गए थे, उनकी पालना किस पुलिस कर्मचारी को करनी थी। उसके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए। साथ ही बजाज फाइनेंस कंपनी के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। इस शिकायत को लंबित रखा गया। गांव हेमूमाजरा निवासी बलविंद्र सिंह ने शिकायत दी कि बिजली विभाग द्वारा उनका सोलर कनेक्शन रद्द करने और पैसे मांगने की शिकायत पर सुनवाई करते हुए मंत्री अनिल विज ने एसडीओ पर एफआईआर दर्ज करने व सस्पेंड करने के आदेश दिए। साथ ही एडीसी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन करते हुए मामले की जांच करके रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इस शिकायत को अगली बैठक के लिए लंबित रखा गया है।

गांव धनौरी निवासी संतोष की नहरी खाल से संबंधित शिकायत थी, जिस पर मंत्री अनिल विज ने संबंधित विभाग को जल्द कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस शिकायत को अगली शिकायत के लिए लंबित रखा। नई शिकायतों में पहली शिकायत चीका निवासी लक्ष्मी चंद की थी। जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसके खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज की गई थी तथा उसके द्वारा दी गई जवाबी शिकायत पर कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस विभाग द्वारा बताया गया कि यह क्रिप्टोकरेंसी से संबंधित मामला है। जिस पर मंत्री अनिल विज ने क्रिप्टो करंसी को लेकर जिला न्यायवादी से विचार विमर्श करके आगामी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस शिकायत को अगली शिकायत के लिए लंबित रखा।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, भाजपा वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष मनीष कठवाड़, सुरेश संधू, शक्ति सौदा, संजय सैनी, संगीता, आयुष गर्ग, प्रवीन प्रजापति, कपिल दीक्षित, गोपाल सैनी, सुशील पंचाल के अलावा जिला प्रशासन से डीसी प्रीति, एसपी उपासना, एडीसी कम सीईओ जिला परिषद सुरेश राविश, डीएमसी कपिल कुमार, आरटीए गिरीश कुमार, एमडी शुगर मिल कृष्ण कुमार, ईओ एचएसवीपी वकील अहमद, तीनों एसडीएम अजय सिंह, अजय हुड्डा व कैप्टन प्रमेश सिंह सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी व जिला कष्ट निवारण समिति के सदस्य मौजूद रहे।

आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान से पूरा होगा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत का सपनाः सतपाल जांबा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

पूंडरी। अग्रवाल धर्मशाला में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक सतपाल जांबा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारत को विकसित बनाने का सपना आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के अंतर्गत पूरा होगा। हम सबको मिलकर इस मुहिम में जुड़ना है और अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि राष्ट्रहित में अधिक से अधिक स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करें, स्थानीय व्यवसायों और उद्यमियों को समर्थन दें, ताकि आत्मनिर्भर भारत का संकल्प जन-आंदोलन का रूप ले सके। आपका यह संकल्प न केवल आर्थिक मजबूती का मार्ग प्रशस्त करेगा, बल्कि नई पीढ़ी को स्वाभिमान और स्वावलंबन की प्रेरणा भी देगा।

विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में देश व प्रदेश में सभी वर्गों के लिए विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। जरूरतमंद व्यक्तियों तक योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाया जा रहा है। बिजली, पानी, स्वास्थ्य व अन्य मूलभूत सुविधाओं को भी हर घर तक पहुंचाने का कार्य सरकार द्वारा किया गया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में पूंडरी हलका में रिकार्ड तोड़ विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। चाहे स्वच्छता अभियान हो, एक पेड़ मां के नाम अभियान हो, सेवा पखवाड़ा हो, इन सभी में हलका में जमीनी स्तर पर कार्य करवाकर आमजन को सरकार की मुहिम में शामिल किया जाता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता अभियान के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया है कि लोग स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा उपयोग करें, ताकि विदेशों से आयात कम करना पड़े। उन्होंने आमजन का आह्वान किया कि त्योहारी सीजन में स्वदेशी वस्तुओं का अधिक से अधिक उपयोग करें।

कार्यक्रम के सफल संचालन में सुभाष हजवाना, कृष्ण पिलनी, विजेंद्र मैहला, मनोज राणा, देवेंद्र पांचाल, धर्मेंद्र वाल्मीकि, लाभ सिंह, हर्ष सेठी, जितेंद्र टाया, अमित टाया का पूरा सहयोग रहा।

मेरा नाम अनिल विज है और मैं गलत करने वाले को बख्शता नहीं हूं: अनिल विज

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने विद्यार्थियों को प्राइवेट बस संचालकों द्वारा सरकारी बस पास पर यात्रा की सुविधा न दिए जाने के संबंध में कहा कि इस बारे में परिवहन विभाग के अधिकारियों की एक बैठक जल्द ही चंडीगढ़ मुख्यालय में बुलाई जाएगी और जल्द ही इस समस्या का समाधान किया जाएगा।

श्री विज आज कैथल में जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के उपरांत मीडिया कर्मियों के सवालों के जवाब दे रहे थे। परिवहन मंत्री ने कहा कि इस मामले को लेकर कुछ बस संचालक न्यायालय में भी गए हुए हैं और जब लाभार्थियों को बस पास जारी किए गए है, तब क्या नियम व शर्तें थी, इस संबंध में सभी प्रकार से अध्ययन किया जाएगा और इस बारे में एक बैठक जल्द ही ली जाएगी।

अधिकारियों द्वारा लोगों की समस्या का निदान न किए जाने के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि मेरा नाम अनिल विज है और मैं गलत करने वाले को बख्शता नहीं हूं। इसी प्रकार, गब्बर के कार्य व आदेशों के संबंध में की गई टिप्पणी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दो बातें साथ-साथ नहीं हो सकती हैं, एक तो कोई गब्बर नहीं हो सकता है और यदि कोई गब्बर है तो उसकी बात को कोई इंकार नहीं कर सकता है।

सीएम विंडो के संबंध में पूछे गए सवाल के जवाब में मंत्री श्री अनिल विज ने कहा कि राज्य सरकार शिकायतों को सुन रही है और शिकायतों का समाधान किया जा रहा है। वहीं, जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में श्री विज ने कहा कि कैथल में आज सभी शिकायतों को सुना गया है और कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। कुछ शिकायतों पर आगामी बैठक में कार्यवाही की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेशः मंत्री अनिल विज ने दैनिक जागरण अखबार की पौधारोपण की मुहिम के तहत आरकेएसडी कॉलेज प्रांगण में पौधारोपण किया। अखबार के पूर्व प्रधान संपादक स्व. नरेंद्र मोहन की 91वीं जयंती के उपलक्ष्य में यह अभियान देश भर में चलाया जा रहा है।

इसके अलावा आरकेएसडी कॉलेज प्रबंधक समिति ने प्रधान अश्वनी शोरेवाला की अगुवाई में मंत्री अनिल विज का कॉलेज प्रांगण में पहुंचने पर स्वागत किया। वहीं मंत्री अनिल विज ने कष्ट निवारण समिति के अलावा अपनी शिकायत लेकर आए लोगों की शिकायतें भी सुनीं और कार्रवाई का आश्वासन दिया।

'परिचित की डीपी वाले अनजान मोबाइल नंबर से पैसे मांगने पर हो जाए सावधान'

पुष्टि किए बगैर किसी के पास पैसा नहीं करें ट्रांसफर

संजना भारती संवाददाता

कैथल। प्रायः देखने में आ रहा है कि आजकल साइबर ठग तरह तरह के तरीके अपनाकर आमजन को साइबर ठगी का शिकार बनाकर पैसे ठग रहे है। पुलिस विभाग द्वारा आमजन को साइबर ठगो से सावधान करते हुए जागरूक किया जा रहा है। ऐसे ही एक तरीका परिचित की प्रोफाइल फोटो लगाकर अनजान नंबर से पैसो की डिमांड करने का है। इस बारे एसपी उपासना द्वारा एडवाइजरी जारी करते हुए आमजन को सतर्क रहने का आग्रह किया गया है। वारदात का तरीका बताते हुए एसपी उपासना ने कहा कि साइबर ठग आमजन को व्हाट्सएप पर उनके परिचित की प्रोफाइल फोटो(डीपी) लगाकर अनजान नंबर से मैसेज करते है कि उसे तुरंत रुपये की आवश्यकता है। कृपा मेरे पास पैसे ट्रांसफर करें, मैं कल आपको पैसे वापिस कर दुंगा। साइबर ठग उनका एक नंबर देते है और उसमें पैसा ट्रांसफर करने के लिए कहते है। एसपी ने कहा कि इस साइबर ठगी में हमारा जीमेल अकाउंट हैक होना भी शामिल हैं जो ठग जीमेल हैक करके उससे ही हमारे परिचित के मोबाइल नम्बर प्राप्त करके अलग व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर उन नम्बर पर मैसेज करते हैं। ऐसी स्थिति में आप तुरंत पैसा ट्रांसफर ना करें। आपके परिचित के असली नंबर पर कॉल करके इसकी पुष्टि करें कि आपके परिचित को पैसे का आवश्यकता है या नहीं। अपना जीमेल अकाउंट का पासवर्ड मजबूत बनाए जिससे जीमेल अकाउंट आसानी से हैक ना हो सके। जाने अनजाने में साइबर फ्रॉड होने पर तुरंत 1930 पर कॉल करें। यूपीआई के नए नियम अनुसार पहली बार 2000 या इससे अधिक की ट्रांजैक्शन को 4 घंटे के भीतर रिवर्स किया जा सकता है। सतर्क व सचेत रहकर अपने पैसे की सुरक्षा करें।

एसपी उपासना।

हर ग्राम सभा में आजीविका संवाद होः डॉ. चौहान

गरीबी उन्मूलन योजना का प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ. वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि भारत की असली ताकत उसके गाँवों में बसती है। जब गाँव आत्मनिर्भर बनेंगे, तभी भारत सशक्त और समृद्ध बनेगा। डॉ. चौहान हरियाणा ग्रामीण आजीविका मिशन के कर्मचारियों और अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। मिशन का चार दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान सभागार में चल रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद को मजबूत करने वाला कार्यक्रम है, जो गरीब परिवारों को आत्मविश्वास, कौशल और सम्मानजनक आजीविका प्रदान करता है। डॉ. चौहान ने कहा कि हरियाणा में वर्तमान में लगभग 70,000 स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें साढ़े पांच लाख से अधिक महिलाएँ आजीविका मिशन से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि इन समूहों ने मसाला निर्माण, डेयरी, फूड प्रोसेसिंग, बायोफर्टिलाइजर और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर अपनी पहचान बनाई है।

डॉ. चौहान ने कहा कि इन महिलाओं ने सिद्ध किया है कि अगर अवसर और प्रशिक्षण मिले तो गाँव की नारी केवल गृहिणी नहीं, बल्कि उद्योगिनी भी बन सकती है। ये समूह सहायता की नहीं, संगठित प्रयास की प्रतीक बन चुके हैं। हरियाणा ग्रामीण विकास संस्थान के निदेशक डॉ वीरेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि मिशन की सफलता तभी सार्थक होगी जब हर ग्राम सभा में आजीविका संवाद आयोजित हो और गाँव के युवाओं, किसानों व महिलाओं को उनकी प्रतिभा के अनुसार प्रशिक्षण एवं विपणन सहायता मिले। डॉ. चौहान ने कहा कि डिजिटल तकनीक और ई-कॉमर्स के माध्यम से गाँवों के उत्पाद अब राष्ट्रीय बाजारों तक पहुँच रहे हैं यही वोकल फॉर लोकल का सच्चा रूप है। उन्होंने प्रतिभागियों से मिशन के कार्य और प्रशिक्षण पर फीडबैक भी लिया तथा उन्हें अपने फील्ड अनुभव साझा करने के लिए प्रेरित किया। अंत में डॉ. चौहान ने कहा कि ग्रामीण आजीविका मिशन केवल गरीबी उन्मूलन की योजना नहीं, बल्कि यह ग्राम गौरव और स्वावलंबन का जनांदोलन है। कार्यक्रम के समन्वयक सहायक आचार्य सुशील मेहता ने निदेशक का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का विवरण प्रस्तुत किया और मिशन की प्रगति पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर ग्रामीण विकास मंत्रालय के प्रतिनिधि आइजैक फ्रांसेस, राजिंदर, स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर, देविंद्र, डी पी एम, यमुनानगर, सोनल शर्मा, सौरभ अरोड़ा, गोरी भी उपस्थित रहे।

महापौर रेनू बाला गुप्ता ने जन सुनवाई में सुनीं जनता की फरियादें

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। महापौर रेनू बाला गुप्ता ने शुक्रवार को नगर निगम कार्यालय में आयोजित जन सुनवाई के दौरान नागरिकों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही कई शिकायतों का समाधान करवाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जन शिकायतों का निपटारा त्वरित गति से किया जाए और जनता को राहत मिलनी चाहिए।

महापौर ने कहा कि लोग अपनी शिकायतें लिखित रूप में मोबाइल नम्बर सहित लेकर आएं, ताकि उनके कार्य की फीडबैक ली जा सके। उन्होंने निगम इंजीनियरों को सड़कों के गड्ढे भरने, सीवरेज चोक, बरसाती पानी की निकासी, जलापूर्ति और स्ट्रीट लाइट संबंधी शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। त्योहारी सीजन को देखते हुए उन्होंने सफाई

'नागरिक सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें, स्वच्छ करनाल बनाने में निभाएं अपनी भूमिका'

निरीक्षकों को कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए और बाजारों में अतिक्रमण न होने दिया जाए।

महापौर ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के कुशल नेतृत्व में विधायक जगमोहन आनंद के मार्गदर्शन से करनाल में अनेक विकास कार्य चल रहे हैं, जिनका लाभ आने वाले दिनों में शहरवासियों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान 2025 के तहत नगर निगम क्षेत्र में सफाई और जन जागरूकता गतिविधियां चल रही हैं, जिनका उद्देश्य करनाल को देश का सबसे स्वच्छ व सुंदर शहर बनाना है।

महापौर ने युवाओं और नागरिकों से अपील की कि वे अभियान से जुड़कर स्वच्छता को जन आंदोलन बनाएं और सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग पूरी तरह बंद करें। उन्होंने कहा कि अगर किसी स्थान पर कूड़ा-कचरा दिखाई दे, तो उसकी शिकायत स्वच्छता एप या ई-समाधान पोर्टल पर की जा सकती है। इसके अलावा सीवरेज या जलापूर्ति से जुड़ी शिकायत के लिए टोल फ्री नम्बर 14420 पर कॉल की जा सकती है, जिस पर निगम टीम द्वारा तय समय में कार्रवाई की जाएगी।

करवा चौथ के पावन पर्व पर विशेष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। भारत विकास परिषद्, कर्ण शाखा की महिला सहभागिता प्रमुख डॉ. रचना चौधरी के मार्गदर्शन में करवा चौथ के पावन पर्व पर विशेष स्नेह मिलन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और पारंपरिक गरिमा के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ, जिसके बाद गीत-संगीत, नृत्य, खेल और हंसी-ठिठोली से माहौल उल्लासमय बन गया। सभी महिलाएं लाल, गुलाबी, हरे, नीले और पीले रंगों की पारंपरिक पोशाकों में सोलह श्रृंगार से सुसज्जित होकर पहुंचीं और समारोह की शोभा बढ़ा दी। करवा पर्व मिलन का संचालन मनीषा अरोड़ा ने किया, जबकि करवा थीम पर आधारित मनोरंजक खेलों का आयोजन ऋतु शर्मा, सोनिया नागपाल, लवली बत्रा और पारुल गर्ग ने किया। महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा रैंप वॉक, जिसमें सभी प्रतिभागी महिलाओं ने आत्मविश्वास और शालीनता का परिचय दिया। रैंप पर अपनी अद्भुत प्रस्तुति के लिए शाखा की अध्यक्ष ज्योति चौधरी को करवा क्वीन का खिताब प्रदान किया गया, जबकि भावना कपूर और आरती शर्मा को सर्वश्रेष्ठ रैंप वॉक का पुरस्कार मिला।

अंत में बिछिया, पायल, सिंदूर जैसे पारंपरिक आभूषणों के आकर्षक पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन शाखा की परियोजना प्रमुख लवली बत्रा, मनीषा अरोड़ा, ऋतु शर्मा, सोनिया नागपाल, उमा आहुजा और पारुल गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर शायना, अंशुल, वैदेही, सीमा नागपाल, निशी गर्ग, किरण गोयल, सुलक्षणा, शशि और महिमा सहित अनेक महिला सदस्य उपस्थित रहीं। सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नारी एकता, परंपरा और सांस्कृतिक गौरव का प्रेरणादायक संदेश दिया।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

दुबई के हिंदू मंदिर में भेंट की महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण

हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान ने पकड़ी अंतर्राष्ट्रीय रफ्तार

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित पवित्र रामायण के संदेश को विश्वभर में पहुंचाने के उद्देश्य से हर घर वाल्मीकि रामायण अभियान अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गया है।

अभियान के अंतर्राष्ट्रीय संयोजक तेजिंद्र सिंह तेजी ने दुबई के आबुधाबी स्थित हिंदू मंदिर में पुजारी स्वामी उत्तम निलई जी महाराज को वाल्मीकि रामायण की प्रतियां भेंट कीं। तेजिंद्र सिंह तेजी ने बताया कि इस अभियान की शुरूआत इसी वर्ष 6 मार्च को नई दिल्ली में केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी आवासन मंत्री मनोहर लाल के हाथों उनके आवास से हुई थी। तब से यह अभियान देश के विभिन्न राज्यों में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

अब श्रद्धालुओं की मांग और उत्साह को देखते हुए इसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दिया गया है। उन्होंने कहा कि रामायण विश्व का सबसे प्राचीन और प्रेरणादायक महाकाव्य है, जो मानवता, मयार्दा और आदर्श जीवन का मार्ग दिखाता है। महर्षि वाल्मीकि त्रिकालदर्शी थे उन्होंने श्रीराम के जन्म से पहले ही उनकी जीवनगाथा को लिख दिया था। तेजी ने बताया कि दुबई के बाद यह अभियान अन्य देशों में भी चलाया जाएगा ताकि रामायण का संदेश विश्वभर में पहुंचे।

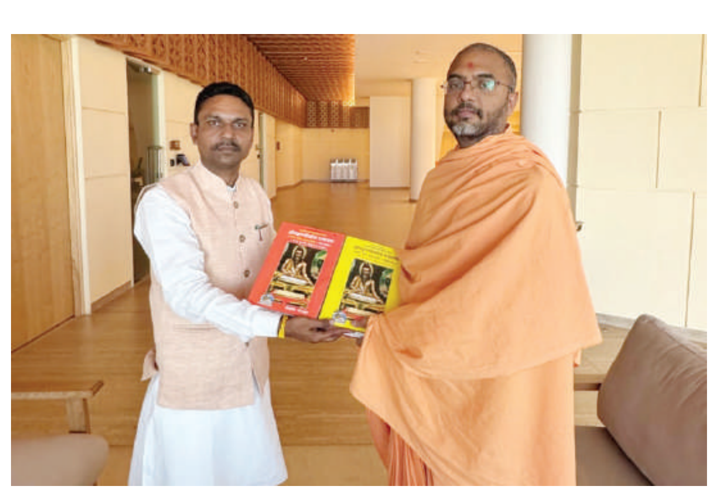
दुबई में स्वामी उत्तम निलई जी महाराज को वाल्मीकि रामायण भेंट करते हुए तेजिंद्र सिंह तेजी।

इस अवसर पर रंजीत सिंह नाहर, रोकी चौहान, सरदार भूपेंद्र सिंह, सुंदर लाल, विजय कुमार सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभियान की सह संयोजक रंजना सिंह व प्रवक्ता कर्मबीर ने बताया कि अब यह अभियान विश्वव्यापी स्वरूप ले चुका है। उन्होंने सर्वसमाज से अपील की कि वे भी इस पवित्र कार्य में सहभागी बनें और रामायण के प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दें।